



कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033

वर्ष: 51

संख्या: 96

प्रभात

कोटा, रविवार 18 जनवरी, 2026

कोटा/24/2012-14

पृष्ठ 8

मूल्य 2.50 रु.

मुम्बई में ‘‘रिज़ॉर्ट’’ राजनीति की वापसी

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में शिफ्ट किया

–रेणु मित्तल–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 17 जनवरी। मुंबई में स्थानीय बीएमसी चुनावों के बाद अब राजनीतिक जोड़-तोड़ और रस्साकशी शुरू हो गई है। भाजपा के साथ गठबंधन में शामिल शिंदे गुट की शिवसेना, जिसने 29 सीटें जीती हैं, अब अपनी ताकत दिखा रही है।

एकनाथ शिंदे ने अपने पार्षदों को ताज होटल में ठहरा दिया है और ‘‘रिसॉर्ट पॉलिटेक्स’’ एक बार फिर सक्रिय हो गई है। शिंदे, भाजपा का मेयर बनाने के बदले ‘‘मुँह-माँगी कीमत’’ वसूलना चाहते हैं।

रि कॉर्ड के लिए बता दें कि शिंदे मेयर पद के लिए ढाई-ढाई साल के रोटेशन की मांग कर रहे हैं। हालांकि सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस मांग को मानने वाली नहीं है।

लेकिन शिंदे को जो मिलने की संभावना है, वह है स्थायी समिति (स्टैंडिंग कमेटी) की कमान, जो कि मेयर पद के बाद, धन-संपन्न बीएमसी की सबसे ताकतवर समिति मानी जाती है।

आईसीसी के भारतीय अफसर को वीज़ा नहीं दिया बांग्लादेश ने

बांग्लादेश और आईसीसी के बीच टी-20 विश्व कप का विवाद गहराता जा रहा है

– जाल खंबाता –
– राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो –
नई दिल्ली, 17 जनवरी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच चल रही उच्चस्तरीय वार्ताओं का ‘अंतिम दौर’ एक बड़ी लॉजिस्टिक समस्या के साथ शुरू हुआ। प्रस्तावित दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल वीज़ा संबंधी जटिलताओं के कारण आधा रह गया। आईसीसी के भ्रष्टाचार-रोधी एवं सुरक्षा प्रमुख एंड्रयू एफ़ग्रेव 17 जनवरी को अकेले ढाका पहुंचे, ताकि आगामी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर बने गतिरोध पर बातचीत की जा सके। वहीं, आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता को समय पर वीज़ा न मिलने के कारण पीछे ही रुकना पड़ा।

इस दौरे को क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय शासी संस्था की ओर से एक अंतिम प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, ताकि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट पर मंडरा रहे कूटनीतिक और खेल संबंधी

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

ढाका, 17 जनवरी। बांग्लादेश के गाजीपुर जिले में शनिवार को एक हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या कर दी

■ मृतक लिटन चंद्र घोष की मिठाई की दुकान थी और दुकान पर काम करने वाले लड़के को बचाने पर हमलावरों ने लिटन के सिर पर फावड़ा मार दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

गई। वह अपनी मिठाई की दुकान में काम करने वाले एक नाबालिग कर्मचारी को बचाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

मृतक की पहचान 55 वर्षीय लिटन चंद्र घोष उर्फ काली के रूप में हुई है। वह बैशाखी स्वीटमीट एंड होटल (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा के 88 पार्षद जीते हैं, पर, बीएमसी में बहुमत पार करने के लिए 117 सीटों पर जीतना जरूरी है। अतः शिंदे ग्रुप द्वारा जीती गई 29 सीटें जरूरी हैं, भाजपा को अपना मेयर बनाने के लिए।
- इसलिए, शिंदे भाजपा से भारी सौदेबाजी करने के मूड में हैं।
- शिंदे का पहला प्रस्ताव है, पहले ढाई साल के लिए उसके नेता को मेयर बनाया चाहिए, जो आधे कार्यकाल के पश्चात मेयर पद छोड़ देगा, भाजपा के लिए।
- शिंदे जानते हैं कि इस प्रस्ताव पर भाजपा कभी राजी नहीं होगी। अतः ऐसा माना जा रहा है कि शिंदे को बीएमसी में स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष का पद दिया जाए। यह पद मेयर के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद माना बृहनमुम्बई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में।
- शिंदे का यह भी प्रस्ताव है कि यह बाल ठाकरे की विरासत है कि बीएमसी पर शिवसेना का मेयर ही होता है। अतः शिवसेना (शिंदे ग्रुप) को मेयर पद मिलना ही चाहिए।
- जैसा कि विदित ही है, कांग्रेस को बीएमसी चुनाव में कुल चार प्रतिशत वोट मिले हैं, इतने कम वोट अब तक कांग्रेस के कभी नहीं मिले हैं। कांग्रेस का असंतुष्ट खेमा यह आरोप लगा रहा है कि इतने कम वोट मिलने का सबसे बड़ा कारण है, मुम्बई के प्रभारी द्वारा कांग्रेस के टिकट बेचना।

विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र में भाजपा का उभार कई राजनीतिक दलों के गलत फैसलों और सही समय पर सही गठबंधन न करने

का नतीजा है। उनका मानना है कि कांग्रेस को शिवसेना के साथ गठबंधन करना चाहिए था और मुंबई में टिकटों की बिक्री नहीं करनी चाहिए थी, जैसा

कि कांग्रेस के मुंबई प्रभारी ने किया। कांग्रेस को केवल 4 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो पार्टी का अब तक का सबसे कम वोट-प्रतिशत है।

इंडिगो पर 22 करोड़ रु. का जुर्माना

नयी दिल्ली, 17 जनवरी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने दिसंबर के पहले सप्ताह में इंडिगो संकट की उड़ानों में व्यवधान की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर उस पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है, और एक अधिकारी को कार्यमुक्त करने का निर्देश दिया है। नियामक ने एयरलाइन के मुख्य

■ दिसंबर के पहले सप्ताह में आए संकट के मसले पर डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने यह जुर्माना लगाया और एयरलाइन के सी ई ओ को हटाने का भी निर्देश दिया।

कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को भी इस मामले में आगाह किया है।

गत 03 दिसंबर से 05 दिसंबर के बीच इंडिगो की 2,507 उड़ानें रद्द रही थीं और 1,852 उड़ानों में देरी हुई थी। हालांकि बड़े पैमाने पर व्यवधान उसके बाद भी जारी रहा था, लेकिन डीजीसीए (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘प.बंगाल में मुम्बई जैसी जीत मिलेगी’

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 17 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में कहा कि भारत की जेन ज़ी भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा करती है। उन्होंने हाल ही में मुंबई में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत का हवाला देते हुए भरोसा जताया कि बंगाल के मतदाता भी इस बार भाजपा को चुनेंगे।

मालदा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

■ प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा की एक जनसभा में कहा कि पश्चिम बंगाल की युवा पीढ़ी को भाजपा के विकास मॉडल पर भरोसा है।

कि भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों में रिकॉर्ड जीत हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस जीत की पुनरावृत्ति बंगाल में भी होगी।

बंगाल में राज्य विधानसभा चुनाव कुछ महीनों में होने वाले हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान में क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी की वापसी अच्छा संकेत नहीं है भारत के लिए

ईरान का राज परिवार अपने पाकिस्तान समर्थक रुख के लिए जाना जाता रहा है

■ रज़ा पहलवी के पिता शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी, 1941 से 1979 तक ईरान की सत्ता पर काबिज़ थे। उन्होंने पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक एवं कूटनीतिक संबंध विकसित किए थे तथा 1965 व 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान का समर्थन किया था और वे कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के पक्ष में थे।

■ युवराज रज़ा पहलवी ने वॉशिंगटन में पत्रकारों से बात करते हुए न केवल लोकतांत्रिक सुधारों की बात कही बल्कि भारत के साथ अच्छे संबंधों का समर्थन किया और कहा, दोनों देशों के सैंकड़ों सालों से नज़दीकी संबंध रहे हैं।

■ रज़ा पहलवी का आगमन भारत पर मिला जुला प्रभाव डाल सकता है, दोनों देश में तकनीकी व आर्थिक संबंध बेहतर हो सकते हैं, पर, अमेरिका समर्थित व पाकिस्तानी रुझान वाला ईरान भारत की मुश्किलें बढ़ा सकता और चाबहार पोर्ट तक भारत की पहुँच को प्रभावित कर सकता है।

और पाकिस्तान-समर्थक ईरान का उभरना भारत के लिए जोखिम भी पैदा कर सकता है, खासतौर पर चाबहार

स्थिति में दिखीं, जिसे वे ठाकरे परिवार से छीनने जा रही हैं। ठाकरे परिवार 2022 तक लगातार कम से कम 25 वर्षों तक बीएमसी में मेयर पद पर काबिज रहा था।

कुल आंकड़ों पर नज़र डालें तो 227 सीटों वाली बीएमसी में 117 सीटें गठबंधन के खते में जाती दिख रही हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 114 है, जो देखने में पर्याप्त लगता है, लेकिन कहानी में मोड़ भी आ सकता है।

आधी रात तक भाजपा 88 वाडों में जीत या बढ़त के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लेकिन उड़ब ठाकरे की शिवसेना के साथ किसी असंभव गठबंधन को छोड़ देने की स्थिति में, ऐसा कोई परिदृश्य नहीं है, जिसमें भाजपा शिंदे की शिवसेना (जो 29 वाडों में आगे थी) के समर्थन के बिना निगम चला सके।

इस अंकगणित और ‘‘किंगमेकर’’ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

1941 से 1979 तक ईरान के अंतिम शाह थे, के शासनकाल में ईरानी राजशाही के पाकिस्तान के साथ मजबूत सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक संबंध थे। ईरान पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए एक अहम बफर स्टेट मानता था।

शाह ने 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। उनके शासन में ईरान ने कश्मीर मुद्दे पर भी पाकिस्तान के रुख का जोरदार समर्थन किया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को आक्रामक उद्घराया। यह रुख 1979 के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक के अपेक्षाकृत तटस्थ रुख से बिल्कुल अलग था।

हालांकि रज़ा पहलवी लोकतांत्रिक सुधारों और सहयोग का वादा करते हैं, लेकिन उनकी वापसी ईरान को फिर से कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थक रुख की ओर ले जा सकती है।

पहलवी ने कहा कि एक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

26 जनवरी से पहले आतंकी हमले का अलर्ट जारी

नई दिल्ली, 17 जनवरी। गणतंत्र दिवस समारोह (26 जनवरी) से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़ा अलर्ट जारी

■ इन्टेलिजेंस सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश तथा खालिस्तानी आतंकी समूह पंजाब के गैंगस्टर्स के सम्पर्क में हैं और कोई बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहते हैं। पंजाब के ये गैंगस्टर्स हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में सक्रिय हैं।

किया है। इंटेलिजेंस सूत्रों के मुताबिक, खालिस्तानी आतंकवादी संगठन और (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लेकर शिकायत दर्ज कराने की मांग की थी।

ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कोयला माफिया की अवैध गतिविधियों की जांच कर रही है, जो एक गंभीर आर्थिक अपराध है। इसमें मुख्यमंत्री का व्यवहार अभूतपूर्व था और उच्च स्तरीय आर्थिक अपराध की जांच से जुड़ी सामग्री की स्पष्ट चोरी के समान था। सामान्य परिस्थितियों में इस तरह के आचरण पर तुरंत गिरफ्तारी और अभियोजन होना चाहिए था।

ममता बनर्जी इस तरह का आचरण पहले भी कई बार कर चुकी है और किसी भी प्रकार के दंड के बचती रही है। लेकिन इस बार उनके खिलाफ जन असंतोष और कार्रवाई की मांग कहीं अधिक मजबूत है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घोटाले की जांच कर रही थी, जिसमें एक सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनी

के लीज क्षेत्रों में अवैध खनन शामिल था। बाद में इस धन को हवाला चैनलों

के जरिए भेजा गया। ईडी ने इन जांचों के लिए आवश्यक सामग्री को चोरी को